नवभारत
20th ANNIVERSARY
प्रगति पथ पर महाराष्ट्र

हमारे सभी वेंचर 'मेक इन इंडिया' पहल हैं : डॉ. सिंह

विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का नया कीर्तिमान

डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह एक प्रसिद्ध व्यवसायी, सच्चे देशभक्त एवं परोपकारी इंसान है. उनकी दूरदृष्टि, डायनामिज्म एवं कुशल नेतृत्व ने योगायतन ग्रुप को एक मल्टी-करोड़ का व्यवसाय समूह बना दिया, जो एक्सपोर्ट, पोर्ट, पेट्रोलियम, पावर, कंस्ट्रक्शन, इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में कार्यरत है. भारतीय कार्पोरेट जगत में विशिष्ट स्थान रखने वाले इस समूह ने 18 वर्षों की अल्प अवधि में जो स्थान हासिल किया है वह सिंह की मेहनत, लगन एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतिफल है. पढ़ने-लिखने के शौकीन डॉ. सिंह ने अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, प्रकाशनों एवं समाचार पत्रों में अपने लेखन व भाषणकलों के माध्यम से जो सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया है, वे आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं. हजारों लोगों को रोजगार देने वाले योगायतन समूह की शुरुआत एक छोटे से कारोबार से हुई थी, जो आज बढ़कर विशाल वट का रूप ले लिया है. योगायतन ग्रुप को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. अनेक सामाजिक संस्थाओं एवं खुद की सौजन्य गतिविधियों से डॉ. सिंह अनेक तरह की समाजसेवा भी कर रहे

योगायतन पोर्ट : देश में सबसे तेज क्लियरिंग

आपके नेतृत्व में योगायतन ग्रुप गत 18 वर्षों में तेजी से आगे बढ़ा है. आज यह देश का एक अग्रणी औद्योगिक समूह बन गया है. आपकी यह यात्रा कब एवं कैसे शुरू हुई?

योगायतन ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि एक उद्यमी के रूप में मेरी यात्रा दो दशक पहले शुरू हुई थी. वैसे तो मैं पेशे से एक आयुर्वेदिक डॉक्टर हूं, लेकिन मेरी शुरू से ही देश के उद्योग जगत में कुछ कर दिखाने की तमन्ना थी, इसलिए मैंने इस पर ध्यान केंद्रित किया और विविधीकृत उद्यमी के रूप में व्यावसायिक क्षेत्र में कदम रखा. मैंने सिविल कांट्रेक्टर के रूप में शुरुआत कर रियल इस्टेट विकास के क्षेत्र में कदम बढ़ाया. फिर सॉफ्टवेयर निर्यातक भी बना. इनमें सफलता मिलने के बाद हमने योगायतन पोर्ट और स्मार्ट सिटी परियोजना की नींव रखी, जो कि मेरा सर्वाधिक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है. मेरे पिता सेना में थे और व्यवसाय का हमारा कोई अनुभव नहीं था और ना ही कोई मैंने बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की थी. केवल अपने विचारों के बल पर ही अपनी मंजिल तय की.

आपके समूह का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट योगायतन पोर्ट है. मानखुर्द में स्थित यह पोर्ट आईएसओ प्रमाणित कुछ बंदरगाहों में से एक है. इस प्रोजेक्ट की क्या खासियत है, जो इसे देश का एक महत्वपूर्ण प्राइवेट पोर्ट एवं लॉजिस्टिक ऑपरेटर बनाती है?

डॉ. सिंह ने कहा कि योगायतन पोर्ट भारतीय उद्योग क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम कहा जा सकता है. यह मुंबई महानगर क्षेत्र में पहला प्राइवेट पोर्ट है. दूसरे दोनों पोर्ट जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट सरकार के स्वामित्व में हैं. योगायतन पोर्ट रणनीतिक रूप से मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे के मध्य में अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बनाया गया है. यह देश में सबसे तेज क्लियरिंग प्रदान करने वाला बंदरगाह है. दूसरा कोई बंदरगाह हमारे जितना जल्दी कार्गो को क्लियर नहीं करता है. योगायतन पोर्ट पर आधुनिक प्रणाली का उपयोग कर प्रत्येक कंटेनर को 4 घंटे के अंदर क्लियर कर दिया जाता है, जबकि देश में दूसरे बंदरगाहों पर कार्गो क्लियरिंग में कुछ दिन और कुछ मामलों में कई माह भी लग जाते हैं. यह इस उप महाद्वीप में सबसे श्रेष्ठ पोर्ट बनेगा. मेरी योजना है कि योगायतन पोर्ट पर सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का उपयोग कर इसे पूर्णरूप से स्वच्छ ऊर्जा चलित बंदरगाह बनाया जाए. यह विश्व में अपनी तरह का पहला पोर्ट होगा. योगायतन पोर्ट के परिचालन का प्रथम चरण रिकार्ड 120 दिन में पूरा किया गया. इस तरह योगायतन पोर्ट कई कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और पूर्ण होने पर भविष्य में कई नए रिकार्ड भी बनाएगा.

मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन में विकास एवं प्रगति को गति देने में यह पोर्ट किस तरह की भूमिका अदा करने जा रहा है?

योगायतन पोर्ट कई मामलों में महत्वपूर्ण है. सर्वप्रथम यह मुंबई में ट्रैफिक कम करने में मददगार होगा. पोर्ट ट्रकों और भारी मालवाहकों को तुरंत क्लियर कर ट्रैफिक सुगम बनाएगा. मुंबई में वाहन प्रदूषण घटेगा. ईंधन की बचत होगी. दूसरे, यह बड़ी संख्या में रोजगारों का सृजन करेगा. यह जेएनपीटी और एमपीटी पर लघु व मझोले कार्गो का ट्रैफिक भी घटाएगा. साथ ही यह सरकार को करोड़ों रुपए का राजस्व भी प्रदान करेगा. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों योगायतन पोर्ट का उद्घाटन दिसंबर 2015 में हुआ. इस मौके पर उन्होंने कहा कि योगायतन पोर्ट मुंबई में दूसरे बंदरगाहों का ट्रैफिक भार कम करने में सहायक होगा. विशेषकर कोयला जैसे मैटेरियल के बल्क कार्गो को हैंडल कर अन्य बंदरगाहों का भार कर कम करेगा. योगायतन पोर्ट की कोयला हैंडलिंग की क्षमता 50 लाख टन सालाना होगी.

योगायतन ग्रुप की अन्य गतिविधियां क्या हैं?

अपनी शुरुआत से योगायतन ग्रुप स्पेस को लैंडमार्क प्रोजेक्ट में बदलकर मुंबई की स्कायलाइन को पुनर्परिभाषित कर रहा है. ग्रुप देश का एक अग्रणी रीयल इस्टेट विकासक बनकर उभरा है. योगायतन ग्रुप आवासीय, कमर्शियल, स्मार्ट सिटी एवं गेटेड कम्युनिटी विकास में आइकानिक लैंडमार्क का सृजन कर 'मेक इन इंडिया' अभियान को सफल बनाने में लगा है. समूह ने न केवल लक्जरी आवासीय प्रोजेक्ट बनाए हैं, बल्कि एफोर्डेबल हाउसिंग के जरिए आम लोगों की आवासीय जरूरतें पूरा कर रहा है. समूह की दूसरी कंपनी योगायतन पावर प्रा.लि. की स्थापना बिजली उत्पादन, संवहन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, परचेजिंग, बिक्री एवं आपूर्ति के लिए की गई है. यह परम्परागत एवं गैर-परम्परागत स्रोतों से वैकल्पिक ऊर्जा के विकास पर भी ध्यान देती है. योगायतन पावर को हम अन्य कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम में आगामी वर्षों में देश की प्रमुख ऊर्जा कंपनी बनाना चाहते हैं. समूह की एक अन्य कंपनी ग्रेट सैटर्न इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. क्वालिटी सुविधाओं के साथ एफोर्डेबल एवं लक्जरियस हाउसिंग के विकास में लगी है. वर्ष 2006 में स्थापित इस कंपनी के पास मुंबई के विभिन्न प्रमुख स्थलों में कई लक्जरी एवं आवासीय प्रोजेक्ट हैं.

समूह की योगायतन एक्सपोर्ट्स को कैपिटल गु" एवं अन्य जरूरी सामान, यथा कम्प्यूटर, वर्कस्टेशन, कम्युनिकेशन इक्विपमेंट, सॉफ्टवेयर पैकेज, नेटवर्क मैनेजमेंट इक्विपमेंट के स्टोरेज व वेयरहाउसिंग का लाइसेंस मिला है. वह कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के निर्माण एवं आईटी इनेबल्ड सेवाओं से भी जुड़ी है. योगायतन एक्सपोर्ट्स ग्राहकों के लिए सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट के विकास को गति देने के लिए, ओपन सोर्स विशेषज्ञता के साथ व्यापक सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट इंजीनियरिंग व क्वालिटी इंजीनियरिंग सेवाएं प्रदान करती है. समूह योगायतन जनकल्याण ट्रस्ट के माध्यम से सीएसआर गतिविधियां चलाता है. यह स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में मध्यम एवं निम्न वर्ग का आर्थिक एवं अन्य तरह की मदद प्रदान करता है. हाल में समूह ने 4000 से अधिक असहाय बच्चों को मुफ्त में नोटबुक, बिस्कुट एवं दूध का वितरण किया. हमारी आगे भी इस तरह की सेवाएं देने का इरादा है.

समूह हर वर्ष झोपड़पट्टी में रहने वाले 4000 से अधिक छात्रों की पढ़ाई का जिम्मा लेता है. हम उन्हें बुक व अन्य शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करते हैं. इस वर्ष हमने कई मेधावी छात्रों को उच्च दर्जे के लेपटॉप वितरित किए, कुछ छात्रों को विदेश पढ़ने के लिए भेजा. हमारा ट्रस्ट गांव गोद लेने और वहां गरीबों के लिए घर निर्माण करने की योजना बना रहा है.

हम शापुरजी पालनजी के साथ सबसे बड़ा स्लम प्रोजेक्ट करने जा रहे हैं. कफ परेड के 30 एकड़ में फैला यह एक मल्टी-करोड़ का प्रोजेक्ट है. हमने 10 दिनों में 7000 स्लम के डिटेल जमा किए. हम स्मार्ट सिटी के लिए भी काम कर रहे हैं.